Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—1609

PAPER—III

MUSIC

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

MUSIC

संगीत

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Emotion has a significant role in Raga–Nishpatti where vocal and instrumental music have special place. A musician selects Ragas according to circumstances and fills the audience with different emotions and feelings. The emotions which are derived out of music are based on Raga, Tal, Swar, Geet, Style, Lay, instrument and the meaning of the text. A Swara depicts the depth of feelings by its intricate presentation and Bhava and Rasa are closely related to each other. Swaras are capable of showing Rasas and Bhavas. Komal and Teevra Swaras are associated with emotions, and not only Swara but Shruthi, Meend, Gamak and imagination of an artist create Rasa in a Raga. In this context, Pada (*Kavya*) or Bandish is important in creating Rasa. Music, based on Swara–combinations, is a Literature, which consists of Bhava, Rasa, Chanda and Alankar. The imaginative expression of an artist is depicted by the inherent beauty of a Bandish (composition). Bandish is infact a characteristic form of a Raga. Emotions can be expressed by singing or playing the Ragas by following the time–theory of Ragas. The relation of Raga and Season is traditional and related to feelings. By selecting the Ragas and their presentation in adherence to time theory fills the audiences with Rasa and Bhava. For creating emotions in Swaras of music, of Kaku is also an important and powerful element and enhances Rasa of singing and playing. Even Vilambit, Madhya and Drut Layas play important role in creating emotions, which can present serious and frivolous expressions in music. Besides this, Varna, Alankar, Sthaya, Gamak, Saptak and Tan–Alap also have significant role in creating Rasa and Bhavas. The musical performance of an artist is judged as full of Rasa by knowing that which composition, Gata or resonance of an artist's programme and echo has filled the audience with maximum Rasa. As the interaction of inherent feeling of Bandish by use of Swara, and its embellishments is developed in Raga, a divine atmosphere is created with pleasure in place of Rasa and Bhava. In music the totality of various embellishments instead of separate Swaras creates ecstasy and divine pleasure of music.

संगीत द्वारा रस निष्पत्ति में भाव का विशेष महत्व है और उसमें शास्त्रीय गायन एवं वादन का विशेष स्थान है संगीतज्ञ परिस्थितियों के अनूकूल राग चुनकर श्रोताओं को भिन्न भिन्न भावों के सागर में डुबो देता है। संगीत के संम्बध में जो भी संगीत द्वारा भावों की प्राप्ति होती है, वह राग, ताल, स्वर, गीत, शैली, लय, वाद्य और कविता के अर्थ से निर्धारित होती है। स्वर जैसा सूक्ष्म उपादान भावों की गहराई को व्यक्त करता है, और रस और भाव का ध्वनिपर सम्बध है। स्वरों में रसों–भावों को व्यक्त करने का सामर्थ्य होता है। कोमल और तीव्र स्वर भावों से सम्बद्ध है, मात्र स्वरों के अतिरिक्त श्रुतियों, मीड़, गमक और कलाकार अपनी कल्पनात्मक कल्पना की सहायता से राग में रसाभिव्यक्ति करता है। संगीत में भाव रसानुभूति में विशेष रूप से पद (काव्य) अर्थात बंदिश का विशेष महत्व है। शब्दावलियों से रचित स्वर पर आधारित संगीत कला एक साहित्य है, जिसमें भाव है, रस है, छन्द है, और अलंकार है। कलाकार की कल्पनात्मक अभिव्यक्ति बंदिश में छिपे सौन्दर्य से ही उजागर होती है। बंदिश राग की विशिष्ट आकृति है। रागों को समयानुकूल गाने बजाने से भी भावों की अधिकतम अभिव्यक्ति की

जा सकती है। राग और ऋतुओं का परम्परागत सम्बंध भारतीय संगीत में भावनाओं से है, समयानुकूल रागों को चुनना और समयानुकूल भाव से राग की अवतारणा करने से श्रोता रसमग्न होकर राग के भाव में डूब जाता है। संगीत के स्वरों को भावुक बनाने में काकु प्रयोग भी एक सबल सहायक बन कर पूरे राग के गायन-वादन को रसानुभूति की ओर आगे बढ़ाता है। भावोत्पत्ति में विलम्बित, मध्य तथा द्रुत लय का महत्वपूर्ण स्थान है, जिसमें संगीत में गंभीर, चंचल भावों का आर्विभाव किया जा सकता है, इसके अतिरिक्त भावोत्पति में वर्ण, अंलकार, स्थाय, गमक, सप्तक, तान-आलाप आदि का महत्वपूर्ण स्थान है। किस बंदिश गत अथवा विशिष्ट कलाकार के कार्यक्रम की झंकार, अनुगूँज श्रोताओं को अधिकतम समय तक रसमग्न करती है, इसी आधार पर विशिष्ट कलाकार के संगीत प्रदर्शन को हम रसपूर्ण मान लेते है। स्वरों, हरकतों के माध्यम से बंदिश में निहित भावों का जैसे जैसे साधारणीकरण होता जाता है, रस-भाव का स्थान रस के आलौकिक आनन्द से वातावरण ओतप्रोत होता जाता है, संगीत में अलग अलग स्वरों की अपेक्षा उनके समन्वित संगीत का विलक्षण प्रभाव अलौकिक आनन्द देता है।

1. Which factors in music create Rasa and Bhava Specially ?
संगीत में कौन से तत्व विशेष रूप से रस एवं भावों की निष्पत्ति करते हैं?

2. How the Swaras and Shruties are capable of creating Rasa in a Raga ?
एक राग में स्वर और श्रुतियाँ किस प्रकार रस निष्पत्ति में सक्षम है?

3. How the Bandish (composition) helpful in depiciting different beauty of a Raga in music ?

राग का भिन्न भिन्न सौन्दर्य व्यक्त करने में पद (बंदिश) किस प्रकार सहायक हैं ?

4. Why the traditional relation of Raga and Season is important in Indian music ?

भारतीय संगीत में राग और ऋतु का पारम्परिक सम्बंध क्यों महत्वपूर्ण है ?

5. How the use of Kaku, Laya, Tal, Gamak and Tan etc., are powerful elements in creating Bhavas of Swaras of music ?

संगीत के स्वरों को भावुक बनाने में किस प्रकार काकु प्रयोग, लय, ताल, गमक, तान आदि सबल सहायक हैं ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What is the reason of the disintegration of Northern and Southern music ? Explain.

उत्तरी और दक्षिणी संगीत के प्रथक होने का क्या कारण रहा ? समझाइये।

7. Though the Mughal Empire had a downfall in 18th century, but even then the classical music was developed to greater heights in that era. "Express your views on this statement.

''अठ्ठारहवीं सदी में मुगल साम्राज्य का पतन हुआ पर उस काल में भी शास्त्रीय संगीत की बहुत प्रगति हुई''–इस कथन पर विचार व्यक्त कीजिये।

8. Write a critical analysis of any two books of the following in brief :

Rag Vivodh, Sangeet Sar, Sadrag-Chandroday, Sangeet Chinta, Geet-Vitan, Geet-Govinda.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो ग्रंथो का संक्षेप में आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

राग-विवोध, संगीत-सार, सद्राग-चन्द्रोदय, संगीत-चिंता, गीत-वितान, गीत-गोविन्द

9. Define any two from Kriti, Tillana, Keertan, Varsha-Mangal, Vasantotsav.

कृति, तिल्लाना, कीर्तन, वर्षामंगल, बसंन्तोत्सव में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिये।

10. Explain the Rest Signs of western music.
पाश्चात्य संगीत के विश्रान्ति के चिन्ह बताइये।

11. What are the vocal and instrumental ranges of sound ?
गायन-वादन की स्वर सीमाओं का उल्लेख कीजिये।

12. Describe the Shad–Ang of Karnatic music.
कर्नाटक संगीत के षड अंग बताइये।

13. Describe the effects of music with special reference to human welfare.
संगीत के विभिन्न प्रभावों का वर्णन मानव कल्याण के परिप्रेक्ष्य में कीजिये।

14. "There is no adherence to rules so strictly in Folk music as compared to classical music". Express your views.

''शास्त्रीय संगीत जैसी नियम बद्धता लोकगीतों में नहीं होती''। अपने विचार व्यक्त कीजिये।

15. What are the possibilities of the emergence of New Gharanas in music ? Discuss.

संगीत में नये घरानों के निर्माण की क्या संभावनायें है? चर्चा कीजिये।

16. Write a note on the dance styles like Kathakali, Oddissi, Kuchipudi and Kathak.
कथकली, ओडिसी, कुचीपुड़ी और कथक नृत्य शैलियों पर टिप्पणी लिखिये।

17. What is a Sandhi Prakash Raga ? Explain its kinds by citing some examples.
संधि प्रकाश राग किसे कहते हैं, इसके कुछ प्रकारों को उदाहरण देकर समझाइये।

18. Discuss the musical contribution of any two scholars in the era of revival of the traditional music of your region.

संगीत परम्परा के पुन:रुद्धार का कार्य करने के लिये अपने क्षेत्र के किन्ही दो संगीत विद्वानों के सांगीतिक योगदान की चर्चा कीजिये।

19. Describe the chief characteristics of any two Ragas from the following with one alap in each:
Bilabal, Todi, Kanhara, Kafi.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो रागों की मुख्य विशेषतायें प्रत्येक में एक-एक आलाप के साथ लिखिये।

विलावल, तोड़ी, कान्हरा, काफी

20. How the following components help in adding beauty to Rag ?
Kaku, Swar, Laya, Alankar, Time theory of Ragas.

राग को सौन्दर्य प्रदान करने में निम्न तत्व किस प्रकार सहायक हैं ?

काकु, स्वर, लय, अलंकार, रागों का समय सिद्धान्त।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है। उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

HINDUSTANI MUSIC - VOCAL AND INSTRUMENTAL

हिन्दुस्तानी संगीत – गायन एवं वादन

21. Express your views chronologically on historical background of music teaching in Vedic Period, Medieval Period and the institutional instruction of music.

संगीत शिक्षा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में वैदिक काल, मध्यकाल, घरानों के रुप में शिक्षण व्यवस्था एवं संगीत की संस्थागत शिक्षण प्रणाली पर क्रम रुप से विचार व्यक्त कीजिये।

22. "The Aesthetics of music is infact known as the aestheties of Raga" explain.

''संगीत का सौन्दर्य सिद्धान्त वास्तव में राग का सौन्दर्य सिद्धान्त है''? व्याख्या कीजिये।

23. 'The performing arts like folk music and dance are nurtured, and preserved as National heritage. Explain. Also describe some of the folk dramas of your state.

''लोक संगीत एवं नृत्य जैसी प्रदर्शन कलाओं को राष्ट्रीय संपदा समझकर पोषित एवं संरक्षित किया जाता है'' समझाइये एवं अपने प्रदेश के कुछ लोक नाट्यों का वर्णन कीजिये।

24. In the history of music, the second half of the 19^{th} century is considered as the period of revival. Explain. Also describe the musical constribution of any two scholars of this period.

संगीत के इतिहास में उन्नीसवी शताब्दी के उत्तरार्द्ध काल को संगीत के पुर्नजागरण का काल कहा जा सकता है समझाइये एवं इसकाल के किन्हीं दो विद्वानों के सांगीतिक योगदान की चर्चा कीजिये।

25. In research methodology, the success of research work depends on the selection of topic, synopsis, bibliography, data collection, editing, and writing of desertation. Express your views.

शोध प्रक्रिया में विषय चुनाव, शोध प्रबन्ध की रुपरेखा, ग्रंथ सूची, सामग्र संकलन, संपादन, प्रबन्ध लेखन पर ही शोध कार्य की सफलता निर्भर है? अपने विचार व्यक्त कीजिये।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

KARNATAKA MUSIC - VOCAL, INSTRUMENTAL AND PERCUSSION

कर्नाटक संगीत

21. Give a detailed account of the evolution of Veena through different stages, from ancient times to modern times.

प्राचीन काल से आधुनिक काल तक, भिन्न अवस्थाओं से होते हुए वीणा के उद्विकास का विस्तृत ब्यौरा दीजिए।

22. Explain the concept and the content of Thyagaraja's opera 'Prahlada Bhakta Vijaya' in detail.

त्यागराज के गीतिनाट्य 'प्रह्लाद भक्त विजय' की अवधारणा एवं विषयवस्तु की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

23. Explain the scheme of Raga-classification in South-Indian music system.

दक्षिण-भारतीय संगीत परम्परा में राग-वर्गीकरण की स्कीम स्पष्ट कीजिए।

24. Distinguish between Kruti and Keertana and give an account of the major composers of South Indian music who have composed in both the above forms.

कृति एवं कीर्तन के बीच अन्तर बताईए और दक्षिण-भारतीय संगीत के उन मुख्या रचनाकारों, जिन्होंने उपर्युक्त दोनों रुपों में रचना की है, का वृतान्त दीजिए।

25. Explain any four folk art forms of South-India and explain the musical content in each of them.

दक्षिण-भारत के किन्हीं चार लोक कला प्रकारों को स्पष्ट कीजिए और उन प्रत्येक में सांगीतिक तत्वों की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

RABINDRA SANGEET

रबीन्द्र संगीत

21. Write down the *akar martrik* notation of the *antara* of the song 'मन, जागो मंगल लोके' and explain its lyrics–tonal exaltation in the context of its devotional flavour.

'मन जागो मंगल लोके' गीत में 'अन्तरा' की आकार्मात्रिक स्वरलिपि लिखिए और उसके भक्तिभाव रस के सन्दर्भ में गीतात्मक–सुर सम्बधी आनन्दातिरेक स्पष्ट कीजिए।

22. Find out the song (रवीन्द्र संगीत) set to *4 +2* beat rhythm. State your note of appreciation for such a rhythm taken up by Rabindranath.

रवीन्द्र संगीत का जो गीत *4 +2* मात्रा की लय में बद्ध किया गया है वो बताइए। रवीन्द्रनाथ द्वारा उपयोग की गई इस ताल के बारे में अपना मूल्यांकन बताईए।

23. When and where did Rabindranath listen to S. N. Ratanjankar's Kheyal Singing ? Explain in short Rabindranath's reaction to Ratanjankar's rendition of Chhayanat.

रवीन्द्रनाथ ने एस.एन. रतनजंकार को ख्याल गाते हुए कब और कहां सुना ? रतनजंकार द्वारा छायानट की प्रस्तुति के प्रति रवीन्द्रनाथ की प्रतिक्रिया क्या रही, संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

24. To whom did Rabindranath dedicate his work 'वसन्त' *(Vasant)* ? Explain the justification of this exemplary dedication.

रवीन्द्रनाथ ने अपनी कृति 'वसन्त' किसे समर्पित की है ? इस आदर्शभूत समर्पण का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

25. Who was A. Arnold Bake ? What is the title of his book on Rabindra Sangit ? Write a brief note on his contribution to the world of Rabindra Sangit.

ए. अर्नोल्ड बाके कौन थे ? रवीन्द्रसंगीत पर उनकी पुस्तक का शीर्षक क्या है ? रवीन्द्रसंगीत के जगत में उनके योगदान पर संक्षिप्त नोट लिखिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

PERCUSSION INSTRUMENTS

अवनद्ध वाद्य

21. Trace the origin of *TABLA / PAKHAWAJ* and describe its development till today.

तबला/पखावज का उद्‌गम बताइये तथा उसका आजतक के विकास का वर्णन कीजिये।

22. Describe *KAMALKI* and *FARAMAISHI* in *TABLA / PAKHAWAJ* and give their examples.

तबले/पखावज पर 'कमालकी' तथा फरामाइशी को स्पष्ट कीजिये तथा प्रत्येक का उदाहरण लिपिबद्ध कीजिये।

23. Write in *NOTATION 'TILWADA TAAL* in its *Aadi* and Quadi Laya'.

ताल तिलवाड़ा को आड़ी व क्वाड़ी लय में लिपिबद्ध कीजिए।

24. Describe clearly the correct method of accompaniment to vocal melody instruments and Dance.

गायन, वादन व नृत्य के साथ तबले/पखावज की सुगठ्ठ संगत करने की युक्ति का वर्णन कीजिये।

25. Name an artist (TABLA/PAKHAWAJ) of National repute and describe his/her merits in detail.

राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त किसी एक कलाकार (तबला/पखावज) का नाम लिखिये तथा उसकी विशेषताओं को सविस्तार वर्णन कीजिये।

SECTION - IV

खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Throw light on the role of supplementary components like distant education of music in instruction, use of electronic gadgets, and music academics in imparting music education.

संगीत शिक्षण में दूरवर्ती शिक्षा की उपयोगिता, वेज्ञानिक उपकरणों के प्रयोग, एवं संगीत अकादमियों की भूमिका के माध्यम से सहायक तत्वों पर प्रकाश डालिये।

OR

"The quality of classical music has been affected by the contemporary trends of music and new experiments at present." Express your views on the said statement.

''वर्तमान में संगीत के क्षेत्र में सम सामयिक प्रवृतियों एवं नवीन प्रयोगों से शास्त्रीय संगीत की गुणवत्ता प्रभावित हुई है'' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिये।

OR

During the last five decades, the number of women artists and women authors has subsequently increased. Discuss the contribution of atleast five (5) women artists and women authors of National repute in music.

गत पचास वर्षों में महिला कलाकारों एवं महिला लेखकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय स्तर की कम से कम पाँच महिला कलाकारों व महिला लेखकों के संगीतिक योगदान की चर्चा कीजिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....